

सुरप्रिया स्त्री. (तत्.) 1. चमेली 2. सोन-केला।

सुरबहार पुं. (तद्.+फा.) सितार की तरह का एक प्रकार का बाजा।

सुरबारी वि. (तद्.) सुरीली।

सुरबाला स्त्री. (तत्.) देवता की स्त्री, देवांगना।

सुरबेल/सुरबेली स्त्री. (तत्.) स्वर्ग की कल्पलता।

सुरभंग पुं. (तद्.) 1. प्रेम, आनंद और भय आदि के अतिरेक के कारण कंठ स्वर का बदल जाना 2. गायन में त्रुटि के कारण सुर बदल जाना 3. गला बैठ जाने का दोष/रोग।

सुरभवन पुं. (तत्.) 1. देवताओं का निवास स्थान, मंदिर, देवताओं की नगरी, अमरावती।

सुरभान पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. सूर्य।

सुरभि स्त्री. (तत्.) 1. पृथ्वी 2. गौ 3. कामधेनु 4. गौओं की जननी और अधिष्ठात्री देवी 5. कार्तिकेय की एक मातृका 6. सुगंध, खुशबू 7. मदिरा, शराब 8. तुलसी 9. सप्तजटा 10. एलुआ 11. चंदन 12. रासना पुं. 1. बसंत काल 2. चैत का महीना 3. वह अग्नि जो यज्ञ की स्थापना के समय जलाई जाती थी 4. सोना, स्वर्ण 5. गंधक 6. जायफल 7. कदंब, कदम 8. चंपक, चंपा 9. सफेद कीकर, शमी 10. चंदन 11. रोहित घास वि. 1. सुगंधित, सुवासित 2. मनोरम, सुंदर 3. उत्तम, श्रेष्ठ 4. गुणवान 5. सदाचारी 6. बदन पर ठीक और चुस्त बैठने वाला कपड़ा।

सुरभिकांता स्त्री. (तत्.) बासंती, नेवारी।

सुरभिका स्त्री. (तत्.) स्वर्णकदली, सोनकेला।

सुरभिगंधा स्त्री. (तत्.) चमेली।

सुरभित वि. (तत्.) सुगंधित, सुवासित।

सुरभित स्त्री. (तत्.) 1. सुरभि का गुण या भाव 2. सुगंध, खुशबू।

सुरभि तनय पुं. (तत्.) 1. बैल 2. साँड़।

सुरभि तनया स्त्री. (तत्.) गाय, गौ।

सुरभि त्रिफला स्त्री. (तत्.) जायफल, सुपारी और लौंग इन तीनों का समूह।

सुरभित्वक् स्त्री. (तत्.) बड़ी इलाचयी।

सुरभि दारु पुं. (तत्.) धूप सरल।

सुरभिपत्रा स्त्री. (तत्.) जंबू वृक्ष, राजजंबू।

सुरभिपुत्र पुं. (तत्.) 1. साँड़ 2. बैल।

सुरभिबाण पुं. (तत्.) कामदेव।

सुरभिभक्षण पुं. (तत्.) हठ-योग की एक क्रिया जिसमें साधक खेचरी मुद्रा के द्वारा अपनी जीभ उलटकर तालू के मूल वाली छेद में लगाता और सहस्त्रार में स्थित चंद्रमा से निकलने वाला अमृत पीता है, इसे गोमांस-भक्षण भी कहते हैं।

सुरभि-मंजरी स्त्री. (तत्.) सफेद तुलसी।

सुरभिमान वि. (तत्.) सुगंधित, सुवासित।

सुरभि-मास पुं. (तत्.) बसंत ऋतु।

सुरभि-मुख पुं. (तत्.) वसंत ऋतु का प्रारंभिक काल।

सुरभि वल्कल पुं. (तत्.) दाल चीनी।

सुरभि-शाक पुं. (तत्.) एक प्रकार का सुगंधित साग।

सुरभि-समय पुं. (तत्.) वसंत ऋतु, जिसमें फूलों की मधुर गंध चारों ओर फैलती है।

सुरभी स्त्री. (तत्.) 1. गाय 2. कामधेनु।

सुरभीपुर पुं. (तत्.) गोलोक।

सुर-भूप पुं. (तत्.) 1. इंद्र 2. विष्णु।

सुर-भूरूह पुं. (तत्.) 1. कल्पतरु 2. देवदार।

सुर-भूषण पुं. (तत्.) देवताओं के पहनने का 1008 मोतियों का चार हाथ लंबा हार।

सुर-भोग पुं. (तत्.) देवताओं के भोग की वस्तु, अमृत।

सुर-भौन पुं. (तद्.) सुरभवन, स्वर्ग।